कंडेल नहर सत्याग्रह के सूत्रधार 'बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव'

परिचय– छत्तीसगढ़ के कोरा म बसे बिलइ माता के धाम धमतरी ले रायपुर रोड म 4 कोस के दुरीहा म कंडेल नहर सत्याग्रह के सूत्रधार बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव के गांव कंडेल बसे हे। जिहा 28 फरवरी 1889 के ग्राम कंडेल के एक सम्पन्न परिवार म जनम होइस। बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव सत अउ संकल्प के प्रतिक स्वतन्त्रता सेनानी रिहीस।जेन हर कंडेल नहर सत्याग्रह आंदोलन करिस ।ए आंदोलन म बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव अंगरेजी सरकार के पुरजोर विरोध करीन अउ बढ़ चढ़ के भाग ले रिहीस जेकर सेती 'कंडेल नहर सत्याग्रह के सूत्रधार कहे जाथे।

राष्ट्रीय आंदोलन म सामिल– पंडित सुंदरलाल शर्मा अउ नारायण लाल मेघावाले के संग म आके बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव राष्ट्रीय आंदोलन म सामिल होइस। कंडेल नहर सत्याग्रह छत्तीसगढ़ के इतिहास के परमुख घटना रिहीस। ये कहना गलत नई होही की छत्तीसगढ़ मे राष्ट्रीय चेतना कंडेल नहर सत्याग्रह से होइस। बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव के नहर सत्याग्रह आंदोलन म सामिल होय बर गांधी जी पहिली बेरा धमतरी आइस। धमतरी के नवा पीढ़ी ला तरासे म बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव के अहम भूमिका रिहीस।

कंडेल नहर सत्याग्रह– अंगरेजी सरकार माडम सिल्ली बांध म नहर ले सिचाई करें बर किसान मन ल पानी देवय। जेकर बदला म अंगरेजी सरकार किसान मन ले लगान वसूल करय। किसान मन लगान घलो देवत रिहिन । फेर अंगरेजी सरकार किसान मन ल दस बछर के करार करें बर जब मजबूर करिन तब किसान मन विरोध करीस। काबर कि दस बछ`के करार के पईसा अतेक जादा होत रिहीस कि उहि पईसा ले तो गांव म बड़े जन सिचाई करें बर तरिया बनाए जा सकत रिहीस । एकर सेती किसान मन दस बछर के करार करें बर मना कर दिस।जेकर ले अंगरेजी सरकार ल ठेस पहुंचीस। कंडेल गांव म बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव के पुरखौती ज़मीन रिहीस । किसान मन बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव के अगुवाई म अंगरेजी सरकार संग दस बछ`के अनुबंध करें बर मना कर दिस। अंगरेजी सरकार किसान मन के आड़ म बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव ले बदला लेना चाहत रिहीस ।

किसान मन ल एकजुट करिन– बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव गांव के सबो किसान मन ल एकजुट करके अंगरेजी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन करें के निरनय लिस।गांव गांव म जन सभा अउ बइठका कर के अंगरेजी सरकार के खिलाफ आवाज ल ऊंचा करीस। दस बछर के करार नइ करय अउ लगान नइ देय के सेती अंगरेजी सरकार किसान मन उपर जुरमाना लगा दिस।जुरमाना नइ दे सके म अंगरेजी सरकार किसान मन के गाय गरु मन ल जपत करें के कुर्की आदेश जारी करींन।

धमतरी के बइला बाजार म निलामी– गांव के जम्मो गाय गरु मन ल जपत घलो कर डारिन अउ जपत करके धमतरी के बइला बाज़ार म नीलामी करें बर रखे रहिन। फेर कोनों मनखेमन हर बोली नई लगईन। अंगरेजी सरकार गाय गरु मन ल दूसर बाजार म नीलामी करें के परीयास करीन दूसर बाज़ार म घलो कोनों बोली लगइया नइ मिलीस काबर की सबो मनखे हर अंगरेजी सरकार के चाल ल जानत रिहीन। अंगरेजी सरकार के आघु दूसर समस्या ये आइस कि जपत करें गाय गरु के दाना पानी के बेवस्था नइ कर सके ले गाय गरु मन बीमार होय लगीस। देखते देखत म आंदोलन ल चलत पाँच महीना होंगे । एडहर दोनों पक्ष हर झुके बर तियार नइ रिहीस ।

गांधी जी ल चिट्ठी लिखिन– सितम्बर1920 के पहिली सप्ताह म पण्डित सुंदरलाल शर्मा,नारायण लाल मेघावाले अउ बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव जम्मो झन कंडेल गांव म बइठका राखिन अउ ये बइठका म सत्याग्रह आंदोलन ल बड़े करें के निरनय लिस। जेकर ले अंगरेजी सरकार के अतिचार हर दिनों दिन अउ बाढे लागीस। सत्याग्रही मन गांधी जी ल चिट्ठी लिख के अंगरेजी सरकार के अतिचार ल बतइन अउ नहर सत्याग्रह म भाग ले बर बुलावा भेजीन। गांधी जी किसान मन के आंदोलन ले प्रभावित होके साथ देय बर तियार होंगे।

21 दिसम्बर 1920 म गांधी जी धमतरी आइस– गाँधी जी के आंदोलन म आए के खबर सुन के, अंगरेजी सरकार आंदोलन ल बड़का होवत देख घबराय लगीस अउ जपत गउ धन ल वापसी करें बर तियार होंइस अउ जुरमाना लेवत रिहिन ओमा तुरते रोक लगाइन। किसान मन के नहर सत्याग्रह आंदोलन हर बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव के अगुवाई म सफल होइस।

छोटे लाल श्रीवास्तव के पीठ थपथपइस– गाँधी जी सत्य अहिंसा के मारग म चलें के सन्देसा दिस। छोटे लाल श्रीवास्तव के जन सेवा अउ कंडेल नहर सत्याग्रह ल सफल करे खातिर गाँधी जी बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव के पीठ थपथपइस। अंगरेजी सरकार के अत्याचार अउ अन्याय के

विरोध करइय्याँ। किसान मन के हितैसी। नहर सत्याग्रही के सूत्रधार करइय्या। जेन ला त्यागी तपस्वी अउ कर्मवीर के नाम ले घलो जाने जाथे।एसना महान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव ल उँकर जयंती म सत सत नमन हे।

प्रीतम कुमार साहू, गुरूजी, लिमतरा,धमतरी [छ.ग.]

सैमसंग ने लॉन्चर की गैलेक्सीस S26 सीरीज़, मिलेगा इंडस्ट्री का अग्रणी कैमरा सिस्टैम और U AI का शानदार अनुभव

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज गैलेक्सी S26 सीरीज़ लॉन्च की है, जिसमें कमाल की परफॉर्मेंस, इंडस्ट्री का अग्रणी कैमरा सिस्टम और गैलेक्सी AI अनुभव हैं जो लोगों के रोज़मर्रा के फोन टास्क को आसान बनाएंगे। गैलेक्सीट स्26, स्26+ और स्26 अल्ट्राभ सैमसंग की तीसरी पीढ़ी के AI फोन हैं और यह बैकग्राउंड में बड़ी ही आसानी से जटिल टास्की संभालते हैं, जिससे यूज़र्स सिर्फ़ परिणामों पर फोकस कर सकते हैं।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के सीईओ, प्रेसिडेंट और डिवाइस एक्स्पीरियंस (DX) डिविजन के हेड, टीएम रोह ने ÷गैलेक्सी S26 सीरीज़ के साथ, हमने्ढ्ढ को इतना आसान बनाने पर फोकस किया है कि यह बैकग्राउंड में चुपचाप काम करे, ताकि लोग सिर्फ़ उन चीज़ों पर ध्यान दें जो मायने रखती हैं।÷ गैलेक्सी S26 अल्ट्रा सैमसंग का अब तक का सबसे पतला सिर्फ़ 7.9 mm का अल्ट्राम डिवाइस है और इसमें मोबाइल फोन में दुनिया का पहला बिल्ट-इन प्राइवेसी डिस्लोन पेश किया गया है। रोज़मर्रा की स्थितियों जैसे ट्रांसिट, कैफ़े और शेयर्ड जगहों के लिए डिज़ाइन किया गया प्राइवेसी डिस्लेरा , मोबाइल डिवाइस पर पहले कभी नहीं मिला – इसके हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर मिलकर प्राइवेसी की रक्षा करते हैं और आपके व्यूइंग अनुभव पर भी कोई असर नहीं पड़ता। गैलेक्सीी S26 अल्ट्रो स्नैऔपड्रैगन0 8 एलीट जेन 5 मोबाइल प्लेपटफॉर्म फॉर गैलेक्सी से पावर्ड है – जो अब तक की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस देता है। इसमें सुपर फास्टै चार्जिंग 3.0 की भी खूबी है, जिससे फोन सिर्फ़ 30 मिनट में 75% तक चार्ज हो जाता है। गैलेक्सीं S26 अल्ट्रो में कैमरा में बड़े बदलाव किए गए हैं, जिसमें लो-लाइट फोटोग्राफी को बेहतर बनाने वाला वाइडर एपर्चर और डिम कंडीशंस में वाइब्रेंट, क्लियर फुटेज के लिए बेहतर नाइटोग्राफी वीडियो जैसे अपग्रेड शामिल हैं। अपग्रेडेड सुपर स्टेबडी टेक्नोलॉजी वीडियो कैप्चर के दौरान स्टेबल फ्रेमिंग सुनिश्चित करती है। AI ISP इम्प्रूवमेंट्स सेल्फी कैमरा तक पहुंचे हैं, जो मिक्स्ड लाइटिंग में नैचुरल स्किन टोन्स और फाइन डिटेल्स देते हैं। खास बात ये है कि यह पहला गैलेक्सी डिवाइस है जो एडवांस्डइ प्रोफेशनल वीडियो स्टैंडर्ड को सपोर्ट करता है, जो हाई-क्वॉहलिटी वीडियो के लिए एफिशिएंट कंप्रेशन देता है।

S26 सीरीज़ ने रखी एजेंटिक्ढ्ढ की नींव– नाउ नज के साथ, समय पर और प्रासंगिक सुझाव यूज़र्स को बिना डिस्ट्रैक्ट हुए फ्लो में बनाए रखते हैं। गैलेक्सीज S26 सीरीज़ में अपग्रेडेड बिक्संबी को कन्वर्सेशनल डिवाइस एजेंट के रूप में पेश किया गया है, जो गैलेक्सी डिवाइसेज़ के साथ इंटरैक्ट करना पहले से कहीं ज़्यादा सहज और आसान बनाता है। यूज़र्स नैचुरल लैंग्वेज का इस्तेमाल करके डिवाइस नेविगेट कर सकते हैं और सेटिंग्स एडजस्ट कर सकते हैं, बिना सटीक टर्मिनोलॉजी या कमांड्स की ज़रूरत के।

28 से जयपुर में रेडियो उड़ान का राष्ट्रीय सम्मेलन

नई दिल्ली,। दिव्यांग अधिकारों और नवाचार को नई दिशा देने के उद्देश्य से रेडियो उड़ान द्वारा 'नेशनल कॉन्क्लेव ऑन डिसएबिलिटी राइट्स एंड इनोवेशन' का आयोजन 28 फरवरी और 1 मार्च 2026 को जयपुर स्थित एंजेल रिज़ॉर्ट में किया जाएगा। यह जानकारी रेडियो उड़ान के फाउंडर मेंबर दानिश महाजन ने संवाददाता को देते हुए बताया कि यह सम्मेलन दिव्यांग अधिकार, पहुंच , प्रतिनिधित्व और नवाचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर राष्ट्रीय स्तर की सार्थक चर्चा का मंच बनेगा। सम्मेलन में नीति-निर्माता, विशेषज्ञ, सामाजिक कार्यकर्ता, मीडिया प्रतिनिधि तथा युवा भागीदारी करेंगे। उन्होंने बताया कि यह आयोजन केवल विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि

समावेशन का उत्सव होगा। कार्यक्रम में दिव्यांग अधिकारों पर पावर-पैक्ड सत्र, समावेशी गेम शो, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा तकनीकी एवं सामाजिक नवाचारों की प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। सम्मेलन में देश के प्रमुख नीति-निर्माताओं की उपस्थिति रहेगी, जिनमें मनप्रीत नंदा (अतिरिक्त सचिव, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, भारत सरकार), प्रवीण प्रकाश अम्वास्ता (उपमुख्य आयुक्त, दिव्यांगजन, भारत सरकार), व्रताती हरिचंदन (राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन, ओडिशा) तथा हिमांशु शेखर झा (राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन, उत्तर प्रदेश) शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार, यह सम्मेलन दिव्यांगजन की प्रतिभा, आत्मविश्वास और प्रतिनिधित्व को राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

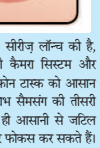

इंडिया नॉकआउट नाइट्स को चंडीगढ़ में मिली शानदार प्रतिक्रिया

मोहाली, चंडीगढ़। 26 फरवरी 2026ः मोहाली स्थित सीजीसी (ष्टत्रष्ट) यूनिवर्सिटी का सेंटर लॉन गुरुवार को एक हलचल भरे बॉक्सिंग एरिना में तब्दील हो गया। इंडिया नॉकआउट नाइट्स की शुरुआती रात में लगभग 3000 दर्शकों की भारी भीड़ के सामने हाई–ऑक्टेन एक्शन देखने को मिला।

प्रोफेशनल बॉक्सर नीरज गोयत के सहयोग से इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (IIS) द्वारा संचालित यह अपनी तरह का पहला प्लेटफॉर्म है। इसमें विभिन्न भार वर्गों में आठ प्रतिस्पर्धी मुकाबले हुए, जो भारत में एक व्यवस्थित पेशेवर मुक्केबाजी इकोसिस्टम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शाम की शुरुआत शिक्षा और ज्योति के बीच एक रोमांचक सुपरफ्लाई मुकाबले से हुई, जिसने पूरी रात के लिए माहौल तैयार कर दिया। चार गहन राउंड के बाद शिक्षा विजयी रहीं। पूरे आयोजन के दौरान माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा और प्रशंसक आखिरी घंटी बजने तक अपनी सीटों पर डटे रहे।

इंडिया नॉकआउट नाइट्स को एक मल्टी-सिटी प्रोफेशनल बॉक्सिंग लीग के रूप में तैयार किया गया है, जो नियमित रूप से फाइट नाइट्स आयोजित करेगी। इसका उद्देश्य भारतीय मुक्केबाजों को विभिन्न श्रेणियों और भार वर्गों में निरंतर प्रतिस्पर्धी अनुभव प्रदान करना है, साथ ही खेल को लाइव एरिना-शैली के प्रारूप में प्रशंसकों के करीब लाना है। यह पहल भारतीय मुक्केबाजी में एक बड़ी कमी को दूर करने का प्रयास करती है, जिससे एथलीटों को प्रतिस्पर्धा करने, अनुभव हासिल करने और प्रमुख खेल आयोजनों के इतर एक स्थायी पेशेवर करियर बनाने के अधिक अवसर मिल सकें। इस भव्य आयोजन में कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें जेएसडब्ल्यू (JSW) स्पोर्ट्स के सीईओ दिव्यांशु सिंह, आईआईएस (IIS) की अध्यक्ष मनीषा मल्होत्रा और भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान सदर सिंह शामिल थे। इस पहल पर बोलते हुए, मनीषा मल्होत्रा, अध्यक्ष, इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट ने कहा, ÷इतनी बड़ी संख्या में भीड़ को देखना और विशेष रूप से भारत के युवाओं को करीब से मुक्केबाजी का आनंद लेते देखना अद्भुत है। यह हम सभी के लिए सीखने का एक शानदार अनुभव है, और हम जानते हैं कि हम इस मंच में और सुधार करना जारी रख सकते हैं। हमारा लक्ष्य दृश्यता, प्रतिभा विकास और भारतीय एथलीटों के लिए एक वास्तविक करियर पथ बनाकर मुक्केबाजी को आगे बढ़ाना है। यह सही दिशा में एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण कदम है।÷ इंडिया नॉकआउट नाइट्स के सह-संस्थापक नीरज गोयत ने कहा, ÷यह IKN का पहला संस्करण था, इसलिए सीखने के लिए बहुत कुछ था। मुझ पर विश्वास करें, यह केवल और बड़ा होगा। भीड़ की ऊर्जा जबरदस्त थी। मैं लंबे समय से इस तरह के आंदोलन का हिस्सा बनने का सपना देख रहा था, और मुझे खुशी है कि इसे आखिरकार आकार लेते देख रहा हूं। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सीईओ दिव्यांशु सिंह ने कहा, ÷इंडिया नॉकआउट नाइट्स जैसे प्लेटफॉर्म के बारे में रोमांचक बात यह है कि वे भारतीय मुक्केबाजों के लिए एक वास्तविक प्रतिस्पर्धा का मार्ग बनाना शुरू करते हैं। एथलीट के विकास के लिए नियमित प्रतिस्पर्धा महत्वपूर्ण है, और इस तरह की पहल देश में खेल को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभा सकती है।÷ एक शानदार शुरुआती रात और प्रशंसकों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया के साथ, इंडिया नॉकआउट नाइट्स ने एक दीर्घकालिक मंच की शुरुआत का संकेत दिया है, जिसका ध्यान प्रतिस्पर्धा, मनोरंजन और एथलीट विकास पर केंद्रित है।

परिणाम– दीपक तंवर ने सक्षम सिंह को हराया -लाइट हैवीवेट, संदीप नैन बनाम अंकित कुआर (टाई) -सुपर मिडिलवेट, गुरदीप सिंह ने रितेश बिष्ट को हराया -प्रदर्शनी , श्वेता ने नंदिनी को हराया -लाइटवेट, आशीष सिवाच ने कवि कुमार को हराया -सुपर फेदरवेट, विकास ने अमित यादव को हराया -वेल्टरवेट, अंकित सिंह ने अर्शदीप सिंह को हराया -क्रूजरवेट, शिक्षा ने ज्योति को हराया -सुपरफ्लाई

भगवान दास माहौर : क्रांतिपथ का अविचल राही

पूरे परिवेश में ऊर्जा एवं उत्साह की लहर थी। देशभक्ति-भाव से वातावरण ओजमय था। देश की स्वतंत्रता में क्रांतिकारियों के योगदान की चर्चा हर जुबान थी। स्वतंत्रता के वेदिका में सांसों की समिधा समर्पित कर अमर हो गये क्रांतिपथिकों के प्रति उपस्थित जन समूह में श्रद्धा का सरोवर लबालब भरा हुआ था। अवसर था लखनऊ में, महान बलिदानी चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा के अनावरण का। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आजाद के घनिष्ठ मित्र ने %चंद्रशेखर आजाद - अमर रहें% के जनघोष के बीच मूर्ति पर ढंका कपड़ा हटाया, अश्रुपूरित नेत्रों से पुष्प माला पहनाई और प्रणाम हेतु चरणों में झुक गये। पूरा माहौल बलिदानी ओजस्वी नारों से गूंजता रहा। आजाद की मूर्ति के चरणों में झुका मुख्य अतिथि की शीश झुका ही रहा। एक सह-अतिथि ने हाथ का सहारा दे उठाना चाहा, पर यह क्या! उनके हाथों में निष्प्राण देह झूल गयी। अपने आदर्श, क्रांतिकारी साथी मां भारती के सपूत चंद्रशेखर आजाद के चरणों में मुख्य अतिथि ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। मुख्य अतिथि थे डॉ. भगवान दास माहौर और दिन था 12 मार्च, 1979 सोमवार।

चंद्रशेखर आजाद और सरदार भगत सिंह के प्रिय साथी भगवान दास माहौर का जन्म 27 फरवरी, 1910 को झांसी जनपद के बड़ौनी गांव में हुआ था जो अब मध्यप्रदेश के दतिया जिला अंतर्गत आता है। माता नन्नीबाई लाड़-प्यार लुटातीं पशु-पक्षियों एवं प्रकृति से जुड़ी कहानियां सुनातीं, फलतः बालक भगवान दास प्रकृति के सान्निध्य में शांति एवं सुख अनुभव करते प्रकृति से भावनात्मक रूप से जुड़ता गया। पिता रामचरन माहौर का मिठाई बनाने का व्यवसाय था, किंतु वह जीवन में शिक्षा के महत्व से परिचित थे। इसी कारण पढ़ाई की उम्र होते ही बालक को गांव के विद्यालय में भेजा जाने लगा और समय के साथ उसने पांचवीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली। आगे की शिक्षा हेतु गांव में विद्यालय उपलब्ध न था तो भगवान दास को कक्षा 6 में प्रवेश हेतु झांसी में रिश्तेदार नाथूराम माहौर के पास भेज दिया गया और वह मन लगाकर पढ़ने लगे। प्रकृति और साहित्य से लगाव बढ़ने लगा था, पर नियति ने तो कुछ और ही रच लगा था। कक्षा 9 में अध्ययन के दौरान भगवान दास का सम्पर्क क्रांतिकारी युवा शचींद्रनाथ बख्शी से हुआ। शचींद्रनाथ ने भगवान दास को चंद्रशेखर आजाद से मिलवाया। उम्र रही होगी 15-16 वर्ष, आजाद ने परीक्षा ली। शचींद्रनाथ ने पिस्तौल में गोली भरकर नली भगवान दास की ओर करके ट्रिगर दबाते हुए कहा कि गोली ऐसे चलाते हैं। इसी बीच आजाद ने शचींद्रनाथ का हाथ ऊपर उठा दिया, गोली छत से जा टकराई और छत का थोड़ा चूरा फर्श पर फैल गया। आजाद ने भगवान दास की नब्ज टटोली, दिल की धड़कन सुनी, सब सामान्य जैसे कुछ हुआ ही न हो। साहस के धनी भगवान दास न केवल क्रांतिकारी दल में शामिल कर लिए गये, बल्कि आजाद के घनिष्ठ और प्रिय साथी भी बन गये। चंद्रशेखर आजाद का आगमन जब भी झांसी होता तो भगवान दास के साथ ही रहते। झांसी के ही दो क्रांतिकारी साथी सदाशिव मलकापुर एवं विश्वनाथ वैशम्पायन, जो बांदा में बहुत समय रहे और पढ़ाई की, भी मिलते। बारहवीं उत्तीर्ण कर आजाद के निर्देश पर भगवान दास ने 1928 में विक्टोरिया कालेज ग्वालियर में प्रवेश ले छात्रावास में रहने लगे। यहां क्रांतिकारी साथियों का बहुत आना-जाना लगा रहता था, किसी को शक न हो जाये, यह सोच कर भगवान दास ने छात्रावास छोड़कर बाहर शहर में एक मकान किराये पर लिया। यहां पर क्रांतिकारियों का छिपना-रहना आसान हो गया। काल चक्र का पहिया चलता रहा। लाहौर में साइमन कमीशन के विरोध प्रदर्शन के दौरान लाठियों की मार से लाला लाजपत राय का बलिदान हो चुका था। बदला लेने और देश में उत्साह जगाने के लिए लाठी चार्ज का आदेश देने वाले अंग्रेज अधिकारी जेम्स अलेक्जेंडर स्काट का वध आवश्यक था। चंद्रशेखर आजाद ने भगवान दास को लाहौर बुला लिया। योजना बनी, भूलवश स्काट की जगह जॉन पायंट्ज साण्डर्स की हत्या हो गयी। पर विषय यह नहीं है कि किसकी हत्या हुई, विषय यह है कि भगवान दास की जिम्मेदारी थी कि यदि भगतसिंह और शिवराम राजगुरु से कोई चूक होती है तो विकल्प के तौर पर भगवान दास माहौर अंग्रेज अधिकारी को तुरंत गोली मार देंगे, साथ ही भगत सिंह और राजगुरु को कवर फायर भी देंगे। इस घटना के बाद कुछ क्रांतिकारी ग्वालियर आ गये। भगवान दास ने सभी को विभिन्न स्थानों पर छिपा दिया। क्रांति कभी भी लुक-छिपकर हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने से नहीं होती। अतः आजाद के निर्देश पर भगवान दास माहौर और शिवदास मलकापुर 1930 में बम-बारूद और हथियारों की पेटी लेकर शिवराम राजगुरु के पास अकोला के लिए निकले। किंतु जयगोपाल एवं फणींद्रनाथ घोष की मुखबिरी से भुसावल में पकड़ लिए गये। जलगांव में मुकदमा चला और भगवान दास माहौर को 14 साल की जेल सजा हुई। इस मुकदमें के दौरान पहचान के लिए दोनों मुखबिर जलगाव कोर्ट में गवाही देने आने वाले थे। चंद्रशेखर आजाद ने सदाशिव मलकापुर के भाई शंकर राव के हाथ 20 फरवरी को भोजन पात्र में एक भरी पिस्तौल भगवान दास को भेज कर दोनों मुखबिरों की हत्या का निर्देश दिया। 21 फरवरी को पेशी थी, न्यायालय के बाहर भोजन करते मुखबिरों पर भगवान दास ने गोली चलाई किंतु सुरक्षाकर्मी आगे आ गया, दोनों मुखबिर मेज के नीचे छिप गये, पर अगली दो गोलियों ने दोनों को घायल कर दिया था। भगवान दास को जेल में बंद कर कठोर यातना दी गई। वर्ष 1938 में जब कांग्रेस मंत्रिमंडल बना तब आठ साल की जेल के बाद भगवान दास को रिहा किया गया, किंतु आंदोलनों में सक्रियता के कारण वह 1940 में फिर जेल में बंद कर दिये गये।

वर्ष 1945 में जेल से छूटने के बाद भगवान दास ने बीए, एमए करके आगरा विश्वविद्यालय से %1857 के स्वाधीनता संग्राम का हिंदी साहित्य पर प्रभाव% विषय पर शोध कर पीएचडी उपाधि प्राप्त की और बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी में अध्यापन कार्य किया। वह कलम के धनी थे, साहित्य के आंगन में विचरण करते थे। क्रांतिकारियों के जीवन पर %यश की धरोहर% तथा कहानी संग्रह %यक्ष प्रश्न% लिख साहित्य भंडार को समृद्ध किया। एक रेडियो रूपक भी लिखा - ऐसे तो घर नहीं बनता मम्मी, जो बहुत चर्चित और लोकप्रिय हुआ। संगठन गढ़ने में कुशल, अचूक निशानेबाज एवं क्रांतिकारियों में %कुठे गुंतला% नाम से सम्बोधित क्रांतिवीर डॉ. भगवान दास माहौर ने 12 मार्च, 1979 को अपनी अंतिम सांस अपने आदर्श के चरणों में समर्पित कर दी। उनकी एक काव्य पंक्ति- मेरे शोणित की लाली से कुछ तो लाल धरा होगी, से श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। जन्मभूमि बड़ौनी गांव में भगवान दास माहौर की प्रतिमा देशभक्ति का संचार करती रहेगी

– प्रमोद दीक्षित मलय, लेखक शिक्षक एवं शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक हैं।?बांदा, उ.प्र., मोबा. 9452085234

मिंत्रा अपने 19वें जन्मदिन के अवसर पर मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट लेकर आया, मिलेंगे छः मिलियन से अधिक स्टाईल

शॉपर्स का उत्साह बढ़ाने के लिए उन्हें एश्योर्ड रिटर्न गिफ्ट भी दिए जाएंगे, जिससे हर खरीद पर ज्यादा खुशी और सरप्राईज़ मिलेंगे। शॉपर्स के लिए हैं हाई-वैल्यू फॉर्मेट, जैसे ब्रांड मानिया डील्स, मिडनाईट स्टील, 19 मिनट डील्स, और ओएमजी डील्स। नए पेश किए गए कलेक्शन में इर्थ बाय टाईटन, मोहे वेडिंग कलेक्शन, थिएटर हैंडबैग्स, क्रॉक्स लेगो, गिली गेंदा गैंग किड्स वियर और एस्टी लाउडरः डबल वियर शामिल हैं। भारतः भारत के अग्रणी फैशन, ब्यूटी और लाईफस्टाईल डेस्टिनेशंस में से एक मिंत्रा अपने 19वें जन्मदिन के अवसर पर मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट (एमबीबी) लेकर आया है। यह ईवेंट 28 फरवरी से शुरू होगी। मिंत्रा इनसाईडर कस्टमर्स को 24 घंटे पहले यानी 27 फरवरी से इसकी अरली एक्सेस मिल जाएगी। इस एडिशन में फैशन, ब्यूटी और लाईफस्टाईल श्रेणियों में 20,000 से अधिक इंटरनेशनल और मेड-इन-इंडिया ब्रांड्स के 6 मिलियन से अधिक स्टाईल उपलब्ध होंगे।

कैटेगरी ट्रेंड्स और मांग का पूर्वानुमान– आगामी शादियों के सीज़न और ईद एवं होली जैसे त्योहारों को देखते हुए इस एडिशन में मेंस और वीमेंस एथनिक वियर, ब्यूटी और पर्सनल केयर एवं वॉच और वियरेबल्स की श्रेणियों में तेजी रहने की उम्मीद है। वीमेंस और मेंस वेस्टर्न वियर, मेंस एपरेल, स्पोर्ट्स वियर, और स्प्रिंग-समर एसेंशियल्स में भी अच्छी मांग रहेगी क्योंकि नए सीज़न में शॉपर्स अपनी वारड्रोब को रिफ्रेश करते हैं। इस दौरान लोगों से मिलना-जुलना बढ़ने और ट्रैवर बढ़ने के कारण ट्रैवल एसेंशियल्स, फुटवियर, किड्स वियर, एक्सेसरीज़ और उपहारों की श्रेणियों में भी मांग बढ़ेगी। जिन ब्रांड्स की मांग ज्यादा रहने की उम्मीद है, उनमें एचएंडएम, नाईक, मैंगो, लेवीज़, यू.एस. पोलो एसोसिएशन, अनूक, लिबास, स्काईबैग्स, सेरावे,

बाथ एंड बॉडी वर्क्स और मैक शामिल हैं। 'मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट देश में लाखों लोगों के साथ अपने सफर को खुशनुमा बनाने के लिए हमारी एक खास ईवेंट है। मिंत्रा के 19 वर्ष पूरे होने पर, हम अपने ग्राहकों के प्यार और हजारों ब्रांड पार्टनर्स के विश्वास के लिए आभारी हैं, जिन्होंने देश में फैशन के परिदृश्य में परिवर्तन लाने में मुख्य भूमिका निभाई है। जहाँ हम ई-कॉमर्स के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करते जा रहे हैं, वहीं हमारा ध्यान एक्सिलेंस बढ़ाते रहने और फैशन, ब्यूटी एवं लाईफस्टाईल शॉपिंग में आधुनिक ग्राहकों के अनुभव को लगातार बेहतर बनाने पर केंद्रित रहता है।'

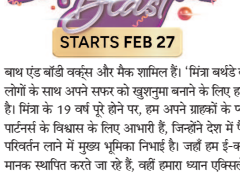

एमबीबी के लिए आकर्षक नए लॉन्च– मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट के इस नए एडिशन में फैशन, ब्यूटी और होम की श्रेणियों में नए कलेक्शन और नए ब्रांड लॉन्च पेश किए जाएंगे। फैशन में 30 से अधिक लॉन्च, जैसे हैसब्रो, मालाबार गोल्ड, मिवी, यूरियाज़ आदि शामिल हैं। डी2सी और राईज़िंग स्टार्स पोर्टफोलियो के नए सलेक्शन में रेयर रैबिट स्निच, नोबेरो, रेन एंड रेनबो और चुंबक आदि ब्रांड शामिल हैं। ब्यूटी और पर्सनल केयर (बीपीसी) में आज तक का सबसे विशाल संग्रह पेश किया जा रहा है। 4500 से अधिक ब्रांड्स के प्रीमियम ग्लोबल लेबल जैसे मैक, विक्टोरियाज़ सीक्रेट, बाथ एंड बॉडी वर्क्स, लानीज़, कॉसरक्स, हुडा ब्यूटी, पिक्सी ब्यूटी आदि बहुत ही आकर्षक मूल्य में उपलब्ध होंगे। प्रीमियम शॉपिंग का अनुभव और अधिक बेहतर बनाने के लिए मिंत्रा लक्सा में गेस, माईकल कॉर्स, अरमानी एक्सचेंज, पाको राबान, एस्टी लॉडर जैसे प्रमुख ब्रांड उपलब्ध होंगे।

जेन ज़ी पर केंद्रित– जहाँ मिंत्रा अलग-अलग वर्ग के ग्राहकों को सेवाएं देता है, वहीं इसके जेन ज़ी पर केंद्रित एफडब्लूडी पोर्टफोलियो में युवाओं की पसंद के लाखों ट्रेंड-फर्स्ट स्टाईल हैं। स्प्रिंग-समर सीज़न के आगमन के साथ युवाओं के पसंदीदा एफडब्लूडी पोर्टफोलियो में आउटिंग और ट्रैवल फिट के अनेकों एक्सप्रेसिव विकल्प मिलेंगे। इसमें टॉप्स, टी-शर्ट, शर्ट, ड्रेस, जीन्स, कुर्ता और कुर्ती में ग्लोबल स्टाईल बेहतरीन मूल्यों में उपलब्ध होंगे।